जनपद सिद्धार्थनगर की भ्रमण आख्या

श्री अरविन्द कुमार त्रिपाठी, कन्सलटेन्ट, आई0ई0सी0 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिषन के नेतृत्व में श्री परमेश कुमार वर्मा, प्रशिक्षण एवं अनुश्रवण अधिकारी एवं श्री संजय कुमार, कार्यक्रम समन्वयक की भ्रमण टीम द्वारा का दिनांक 19 से 22 दिसम्बर, 2017 तक जनपद सिद्वार्थनगर का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया गया। भ्रमण आख्या निम्नवत् है–

जिला संयुक्त चिकित्सालय, सिद्धार्थनगर

भ्रमण दल द्वारा DPM, DCPM, Urban Health Coordinator, District Quality Consultant एवं रोगी सहायता केन्द्र प्रबन्धक के साथ जिला संयुक्त चिकित्सालय, सिद्धार्थनगर का भ्रमण किया। वस्तु स्थिति निम्नवत् है–

- जिला संयुक्त चिकित्सालय, सिद्धार्थनगर में चिकित्सालय के अन्दर प्रवेश करते ही पंजीकरण पटल के सामने ही गंदगी पड़ी हुई थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वहाँ दो चार दिन से सफाई नहीं की गयी है। ओ0पी0डी0 के अन्तर्गत चिकित्सकों के कमरों की साफ–सफाई व्यवस्था बहुत की खराब थी। खिड़कियों पर एवं वाश–बेसिन में पान मसाला थुका पड़ा था। कमरों का प्लास्टर जगह–जगह से टूट रहा है। अस्पताल में कलर कोडेड डस्टबिन नहीं पाया गया। बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबन्धन सही प्रकार से नहीं हो रहा है। इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को अवगत करा दिया गया है।

- चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सा अधिकारियों की पुरानी सूची लगी हुई है। जिसको अपडेट करने हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को सुझाव दिया गया।

- मुख्य द्वार पर पुरानी प्रचार प्रसार सामग्री, जोकि हटाई जा चुकी थी, के निशान दिखाई पड़ रहे थे। उनको साफ कराने हेतु District Quality Consultant एवं रोगी सहायता केन्द्र प्रबन्धक को निर्देशित किया गया।

- चिकित्सालय में हेल्प लाईन न0 सम्बन्धी प्रचार सामग्री को सही स्थान पर लगाने हेतु रोगी सहायता केन्द्र प्रबन्धक को निर्देशित किया गया।

- चिकित्सालय के समस्त शौचालयों में सफाई की स्थिति अत्यन्त दयनीय थी। District Quality Consultant एवं रोगी सहायता केन्द्र प्रबन्धक को ससमय साफ–सफाई कराने एवं साफ–सफाई हेतु प्रयुक्त होने वाली चेकलिस्ट को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

- प्रत्येक ओ0पी0डी0 कक्ष में विभिन्न दवा कम्पनियों की प्रचार सामग्री चस्पा थी। उक्त प्रचार सामग्री को हटाने हेतु समस्त चिकित्सकों को अवगत करा दिया गया।

एस0एन0सी0यू0 के वार्ड के निरीक्षण बिन्दु निम्नवत् है–

1. 08 स्टाफ नर्स में 02 स्टाफ नर्स रोस्टर के अनुसार तैनात थीं।
2. वार्ड में 12 की क्षमता के सापेक्ष 02 बच्चे भर्ती थे।
3. कार्यरत ड्युटी नर्सो को टीम द्वारा मास्क लगाने एवं हैण्ड ग्लब्स पहन कर कार्य करने का निर्देश दिया गया। कार्यरत स्टाफ को Personal Protective Equipments की उपयोगिता के विषय में जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही यह भी बताया गया कि Personal Protective Equipments का उपयोग न करने की दशा में उनके स्वास्थ्य पर क्या विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

4. तैनात स्टाफ को Sharp management के सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं थी। उक्त के सम्बन्ध तैनात स्टाफ को जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही District Quality Consultant एवं रोगी सहायता केन्द्र प्रबन्धक को वार्ड में Sharp management से सम्बन्धित सामग्री उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।
5. एस0एन0सी0यू0 के वार्ड में क्लीनिंग चेकलिस्ट उपलब्ध नहीं थी। उक्त के सम्बन्ध में District Quality Consultant एवं रोगी सहायता केन्द्र प्रबन्धक को चेकलिस्ट उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।
6. एस0एन0सी0यू0 के वार्ड में 2 सक्शन मशीन उपलब्ध हैं। उक्त दोनों मशीनों में से एक मशीन ही कार्य कर रही है।
7. वार्ड में नवम्बर, 2017 एवं दिसम्बर, 2017 में एक्सपायर होने वाली दवायें इमरजेन्सी ट्रे में पायी गयी। उक्त के सम्बन्ध में ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स सुश्री सरोज एवं सुश्री हेमलता को एक्सपायर इन्जेक्शन के प्रयोग से होने वाले खतरों के सम्बन्ध में जानकारी दी साथ ही इसके बारे में मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को भी अवगत करा दिया गया।

8. नर्सिंग ड्यूटी कक्ष की फाल्स सीलिंग गिर रही है। इसके सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को भी अवगत करा दिया गया।
9. एस0एन0सी0यू0 के वार्ड के पास KMC वार्ड में तीन माताओं द्वारा शिशुओं को स्तनपान कराया जा रहा था।

प्रसव कक्ष के निरीक्षण बिन्दु

- प्रसव कक्ष की सफाई व्यवस्था अच्छी एवं व्यवस्थित पायी गयी। यहाँ भी नवम्बर, 2017 एवं दिसम्बर, 2017 में एक्स्पायर होने वाले इन्जेक्शन ट्रे में रखे हुए थे।

- प्रसव कक्ष में समुचित मात्रा में प्रकाश की व्यवस्था नहीं थी। उक्त के सम्बन्ध में कार्यरत चिकित्सक एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को अवगत करा दिया गया एवं समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु अनुरोध किया गया।
- लेबर रूम में कार्यरत स्टाफ को Spill Blood management के बारे में बताया गया। साथ ही स्टाफ को Personal Protective Equipments के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी। District Quality Consultant को निर्देशित किया गया कि वह समस्त स्टाफ को Bio medical waste management and personal hygine के बारे में बार–बार बताये।
- वार्ड में समुचित मात्रा में प्रकाश की व्यवस्था नहीं थी। उक्त के सम्बन्ध में कार्यरत चिकित्सक एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को अवगत करा दिया गया एवं समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु अनुरोध किया गया। जिसके क्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा बताया गया कि **"वह बार–बार बल्व लगवाती हैं और मरीज उन्हें निकाल ले जाते है।"**
- प्रसूताओं को उपलब्ध कराये गयी शैय्याओं पर चादर नहीं थी, साथ ही शैय्याओं पर जो गद्दे पडे थे वह भी गंदे और फटे हुए थे।

- बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबन्धन सही प्रकार से नहीं हो रहा है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत भर्ती प्रसूताओं को खाना नहीं दिया जा रहा था। इसके सम्बन्ध में कार्यरत चिकित्सक को अवगत करा दिया गया।

- भर्ती प्रसूताओं द्वारा डरते हुए बताया गया कि चिकित्सालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सेवाओं के सापेक्ष प्रति प्रसूता रू0 500.00 कार्यरत स्टाफ द्वारा लिया गया।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे नहीं रोका जाता है।

अन्य बिन्दु

- डा0 संजय कुमार गुप्ता के द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में फेको मशीन उपलब्ध है परन्तु उक्त मशीन से मोतियाबिन्द का ऑपरेशन करने हेतु चिकित्सक को प्रशिक्षण की आवश्यकता है। प्रशिक्षण न होने के कारण उक्त मशीन का सदुपयोग नही हो पा रहा है। यह भी अवगत कराया गया कि नेत्र परीक्षण हेतु आवश्यक नवीन उपकरण उपलब्ध है जैसे Auto rectometer, sitlamp, NCT , आदि, परन्तु उक्त मशीनों का प्रयोग करने के लिये नेत्र परीक्षण कक्ष ए0सी0 एवं अन्य सुविधाओं की अवष्यकता है।
- ओ0पी0डी0 कक्ष में उपलब्ध एक्स–रे व्यूअर खराब है उक्त के सम्बन्ध में चिकित्सकों के द्वारा अवगत कराया गया कि अनेकों के बार अनुरोध के बाद भी एक्स–रे व्यूअर ठीक नही कराये गये।

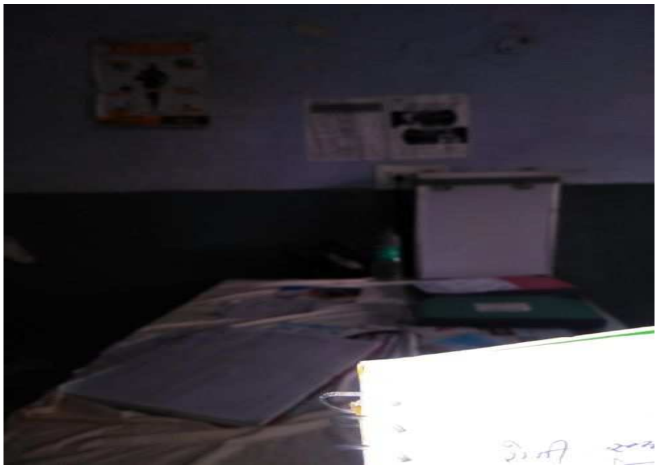

- भ्रमण के समय नवजात शिशु स्थरीकरण यूनिट बन्द पायी गयी।
- एक्स–रे टेक्नीशियन द्वारा लेड–एप्रिन नही पहना गया था। एक्स–रे टेक्नीशियन को लेड–एप्रिन एवं पी0पी0ई0 के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी एवं टेक्नीशियन से अनुरोध किया गया कि एक्स–रे करते समय अवश्य करें।

सी.एच.सी. उसका बाजार (एफ0आर0यू0), जनपद सिद्धार्थनगर

- भ्रमण दल द्वारा निरीक्षण के समय दिन 01 बजकर 10 मिनट पर अधिकांश कार्यरत स्टाफ उपस्थिति पंजिका के आधार पर उपलब्ध नही था। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा0 आर0 के0 शर्मा उपस्थित थे। जिन्होने स्वास्थ्य इकाई में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध करायी।
- जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा सूचित किया गया कि डॉ0 सौरभ वर्मा अनुश्चेतक यहां तैनात किये गये है, जबकि यह पद जिला चिकित्सालय हेतु अनुमन्य है, इनके द्वारा जिला अस्पताल में एपीडिमिक अनुभाग का कार्य लिया जा रहा है, जो कि नियम विरूद्ध है। इन्हें यहां से हटाने का सुझाव दिया गया।
- ओ0पी0डी0 में चिकित्सक उपलब्ध नही था एवं ओ0पी0डी0 निरीक्षण के समय बंद पायी गयी।
- इस सी0एच0सी0 में विगत वित्तीय वर्ष 2015–16 से अभी तक एक भी सीजेरियन प्रसव नहीं किया गया है।
- बी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया है कि बायोमेडिकल वेस्ट की सेवा प्रदाता रामा इन्फोटेक को 07 माह से भुगतान नहीं किया गया है। डी0पी0एम0 को रामा इन्फोटेक को भुगतान कराने हेतु निर्देषित किया गया।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे नहीं रोका जाता है।
- रेडिएण्ट वार्मर का प्रयोग नहीं किया जा रहा था।

- प्रसव कक्ष में इमरजेन्सी ट्रे में एक्सपायरी इन्जेक्शन रखी पायी गयी। जिनको मानकानुसार डिस्पोज करने का सुझाव दिया गया।
- शौचालय अत्यंत गंदे थे। जिन्हे साफ करने का सुझाव दिया गया।

- प्रसव कक्ष में गंदगी पायी गयी एवं डिलिवरी ट्रे एवं दवायें भी मानकानुसार उपलब्ध नहीं थे। कलर कोडेड डस्टबिन प्रोटोकाल एवं बायोलाजिकल वेस्ट मैनेजमेंट के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। प्लेसेन्टा एवं प्रसव सम्बन्धी अन्य कचरे का बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबन्धन नहीं हो रहा है।
- ओ0टी0 की छत जर्जर स्थिति में थी एवं दरारे भी पायी गयी।

वी0एच0एन0डी0 सत्र– ग्राम पंचायत कपियामिश्र, विकास खण्ड नौगढ़।

भ्रमण दल द्वारा डी0पी0एम0, डी0यू0सी0 एवं बी0पी0एम0 के साथ वी0एच0एन0डी0 सत्र का अवलोकन किया गया। सुश्री, सुमन लता, ए0एन0एम0, आशा संगिनी सुश्री आशा मिश्रा एवं क्षेत्रीय आशा सुश्री ममता देवी वी0एच0एन0डी0 सत्र में उपस्थिति थी।

- वी0एच0एन0डी0 सत्र का आयोजन ग्राम निवासी श्री जगदीश के घर में हो रहा था।

- वी0एच0एन0डी0 सत्र में ए0एन0एम0 द्वारा टीकाकरण के उपरान्त Hub cutter का प्रयोग किया जा रहा है। बी0पी0 मशीन काम कर रही थी।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र में ए0एन0एम0 द्वारा टीकाकरण के उपरान्त 4 key massages लाभार्थियों को दिये जा रहे थे।
- HRP Dilivery Management के बारे में ए0एन0एम0 को जानकारी नहीं थी। उक्त के सम्बन्ध में ए0एन0एम0 एवं आशा को जानकारी प्रदान की गयी कि वह किस प्रकार उच्च जोखिम वाली महिलाओं का प्रसव प्रबन्धन किया जाना है।
- आशा डायरी में अंकित सूचनाऐं पूर्ण भरी नहीं जा रही थी। लाभार्थियों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं के अन्तर्गत विशिष्ट परिवार संख्या का अंकन नहीं किया गया था। उक्त के सम्बन्ध में आशा संगिनी एवं बी0पी0एम0 को आशाओं की ग्राम स्वास्थ्य पंजिका में अंकन कराने में सहायता करने हेतु निर्देषित किया गया।

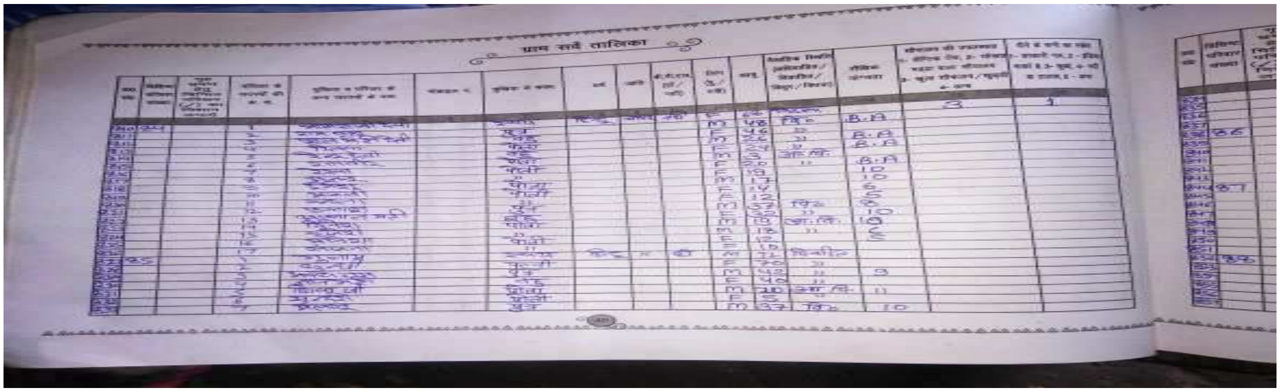

- आशा, आँगनबाडी एवं ए0एन0एम0 द्वारा संयुक्त रूप से लाभार्थियों की ड्यू लिस्ट बनायी गयी थी। ड्यू लिस्ट के अनुसार 75 प्रतिशत लाभार्थियों द्वारा सेवा प्राप्त की जा चुकी थी। शेष लाभार्थियों को वी0एच0एन0डी0 स्थल पर आने में सहयोग करने हेतु आशा एवं आँगनबाडी को सुझाव दिया गया।
- टीकाकरण स्थल पर टीम के पास वी0एच0एन0डी0 सत्र का माइक्रोप्लान उपलब्ध नहीं था। इस हेतु जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को अवगत करा दिया गया।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र पर Pregnency test kit उपलब्ध नहीं थी।
- आशा द्वारा अवगत कराया गया कि उसको PPIUCD हेतु मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। उक्त के सम्बन्ध में बी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह यथाशीघ्र भुगतान कराने का कष्ट करें।

- वी0एच0एन0डी0 सत्र में ए0एन0एम0 द्वारा किशोरियों को माहवारी स्वच्छता के विषय में बताया जा रहा था।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र में आँगनवाड़ी को परामर्श दिया गया कि वह प्रत्येक माह की 9 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर गर्भवती महिलाओं एवं उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को पोषाहार का वितरण करें।
- नवजात एवं गर्भवती माताओं वाले परिवारों का भ्रमण करने एवं संवाद स्थापित करते हुए यह ज्ञात हुआ कि परिवारों का एम0सी0पी0 कार्ड में टीकाकरण एवं जाँच सम्बन्धी सूचनाओं को update किया गया था परन्तु एम0सी0टी0एस0 संख्या का अंकन नहीं किया गया था। इस सम्बन्ध में ए0एन0एम0, आशा संगिनी एवं आशा को यथाशीघ्र एम0सी0टी0एस0 को अपडेट करेन हेतु सुझाव दिया गया।

<u>वी0एच0एन0डी0 सत्र– प्राथमिक विद्यालय, मधवापुर, विकास खण्ड–उसका बाजार</u>

भ्रमण दल द्वारा डी0पी0एम0, डी0सी0पी0एम0, डी0यू0सी0 एवं बी0सी0पी0एम0 के साथ वी0एच0एन0डी0 सत्र का अवलोकन किया गया। सुश्री शारदा देवी, ए0एन0एम0 एवं क्षेत्रीय आशा, सुश्री कुमुद उपाध्याय वी0एच0एन0डी0 सत्र में उपस्थित थी।

- वी0एच0एन0डी0 सत्र का आयोजन प्राथमिक विद्यालय मधवापुर में हो रहा था।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र में ए0एन0एम0 द्वारा टीकाकरण के उपरान्त Hub cutter का प्रयोग किया जा रहा है। बी0पी0 मशीन काम कर रही थी।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र में ए0एन0एम0 द्वारा टीकाकरण के उपरान्त 4 key massages लाभार्थियों को दिये जा रहे थे।
- HRP Dilivery Management के बारे में ए0एन0एम0 को जानकारी नहीं थी। उक्त के सम्बन्ध में ए0एन0एम0 एवं आशा को जानकारी प्रदान की गयी कि वह किस प्रकार उच्च जोखिम वाली महिलाओं का प्रसव प्रबन्धन किया जाना है।
- आशा डायरी में अंकित सूचनाऐं पूर्ण भरी नहीं जा रही थी। लाभार्थियों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं के अन्तर्गत विशिष्ट परिवार संख्या का अंकन नहीं किया गया था। उक्त के सम्बन्ध में बी0सी0पी0एम0 को आशाओं की ग्राम स्वास्थ्य पंजिका में अंकन कराने में सहायता करने हेतु निर्देशित किया गया।
- आशा, आँगनबाडी एवं ए0एन0एम0 द्वारा संयुक्त रूप से लाभार्थियों की ड्यू लिस्ट बनायी गयी थी। ड्यू लिस्ट के अनुसार 60 प्रतिशत लाभार्थियों द्वारा सेवा प्राप्त की जा चुकी थी। शेष लाभार्थियों को वी0एच0एन0डी0 स्थल पर आने में सहयोग करने हेतु आशा एवं आँगनबाडी को सुझाव दिया गया।
- टीकाकरण स्थल पर टीम के पास वी0एच0एन0डी0 सत्र का माइक्रोप्लान उपलब्ध था।

- वी0एच0एन0डी0 सत्र पर Pregnency test kit उपलब्ध थी।
- आशा द्वारा अवगत कराया गया कि उसको PPIUCD हेतु मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। उक्त के सम्बन्ध में बी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह यथाशीघ्र भुगतान कराने का कष्ट करें।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र में ए0एन0एम0 द्वारा किशोरियों को माहवारी स्वच्छता के विषय में बताया जा रहा था।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र में आँगनवाड़ी को परामर्श दिया गया कि वह प्रत्येक माह की 9 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर गर्भवती महिलाओं एवं उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को पोषाहार का वितरण करें।
- नवजात एवं गर्भवती माताओं वाले परिवारों का भ्रमण करने एवं संवाद स्थापित करते हुए यह ज्ञात हुआ कि परिवारों का एम0सी0पी0 कार्ड में टीकाकरण एवं जाँच सम्बन्धी सूचनाओं को update किया गया था परन्तु एम0सी0टी0एस0 संख्या का अंकन नहीं किया गया था। इस सम्बन्ध में ए0एन0एम0 एवं आशा को यथाशीघ्र एम0सी0टी0एस0 को अपडेट करने हेतु सुझाव दिया गया।

बर्डपुर, सब सेन्टर जनपद सिद्धार्थनगर

1. बर्डपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का नवीन भवन बन कर तैयार है, हैण्डओवर की प्रक्रिया प्रगति पर है।
2. प्राथमिक स्वास्थ्य के अन्तर्गत आने वाला उपकेन्द्र सरकारी भवन में अवस्थित है। उक्त भवन अत्यन्त ही जर्जर अवस्था में है। भवन के अन्दर प्रसव कक्ष अत्यन्त ही खराब हालत में था। पूँछने पर बताया गया कि "जैसे ही हैण्डओवर की प्रक्रिया पूर्ण हो जायेगी वैसे ही इस उपकेन्द्र पर मिलने वाली सभी सुविधायें प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बर्डपुर में उपलब्ध करायी जाने लगेंगी"।
3. उपकेन्द्र के प्रसव कक्ष में दिसम्बर, 2017 में एक्सपायर होने वाली दवायें रखी हुई थीं। उन दवाओं को प्रसव कक्ष से हटाने हेतु निर्देश दिये गये।
4. उपकेन्द्र कक्ष में प्रयोग किये गये दस्ताने रखे हुए थे, पूँछने पर बताया गया कि "इन दस्तानों का प्रयोग सफाईकर्मी द्वारा किया जाता है। प्रयोग करने से पहले दस्तानों को 0.5 प्रतिषत के ब्लींचिग पाउडर के घोल में 30 मिनट डालनें के बाद ही किया जाता है।"
5. उपकेन्द्र में पीने के पानी और शौचालय की व्यवस्था खराब थी।
6. भ्रमण के समय उपकेन्द्र पर केवल एक ए0एन0एम0 थी।

जनपद में कम्यूनिटी प्रोसेस सम्बन्धी गतिविधियों के बारे में सक्षिप्त जानकारी

1. जिला संयुक्त चिकित्सालय, सिद्वार्थनगर में जिला स्तरीय रोगी कल्याण समिति के अन्तर्गत, अवमुक्त की गयी धनराशि के सापेक्ष रू0 383375.00 व्यय किया जा चुका है। उक्त व्यय की गयी धनराशि के विषय में मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा द्वितीय किश्त की मॉग की गयी। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका महोदया को अवगत करा दिया गया कि जल्द ही द्वितीय किश्त की धनराशि जनपद की जिला स्वास्थ्य समिति के खाते में अवमुक्त कर दी जायेगी।
2. जनपद के सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र, उसका बाजार, जनपद सिद्वार्थनगर में रोगी कल्याण समिति के अन्तर्गत, अवमुक्त की गयी धनराशि के सापेक्ष रू0 89315.00 व्यय किया जा चुका है।

3. सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र, उसका बाजार, जनपद सिद्वार्थनगर के अन्तर्गत कुल 207 आशायें कार्यरत हैं। उक्त चिकित्सा केन्द्र के अन्तर्गत कार्यरत आशाओं का औसत आशा प्रतिपूर्ति राशि रू0 2465.00 है।
4. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बर्डपुर, जनपद सिद्वार्थनगर में रोगी कल्याण समिति के अन्तर्गत, अवमुक्त की गयी धनराशि के सापेक्ष रू0 125000.00 व्यय किया जा चुका है।
5. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बर्डपुर, जनपद सिद्वार्थनगर में रोगी कल्याण समिति के अन्तर्गत कुल 237 आशायें कार्यरत हैं। उक्त चिकित्सा केन्द्र के अन्तर्गत कार्यरत आशाओं का औसत आशा प्रतिपूर्ति राशि रू0 2420.00 है।
6. जनपद में आाशा प्रारम्भिक प्रशिक्षण का एक बैच दिनांक 19.12.2017 को पूर्ण हुआ है। इसके अर्न्तगत 25 नवचयनित आशाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

जनपद मे राष्ट्रीय कार्यकम के निरीक्षण बिन्दुः–

1:– जिला अस्पताल में स्थापित Pediatric ICU वार्ड के निरीक्षण बिन्दु निम्नवत् है–

I. वार्ड में 19 स्टाफ नर्स में से 11 स्टाफ नर्स चिकित्सालय के दूसरे वार्ड में समायोजित की गयीं हैं। शेष 8 स्टाफ नर्सों में से 2 स्टाफ नर्स रोटेशन के आधार पर वार्ड में कार्य करती हैं। परन्तु भ्रमण दिवस में एक ही स्टाफ नर्स तैनात थी।

II. अस्पताल में 03 बाल रोग विषेषज्ञ है किन्तु इस वार्ड में रोटेशन के अधार पर ऑन काल व्यवस्था है। वार्ड में स्टाफ नर्स एवं फार्मासिस्ट के स्तर पर ही कार्य का सम्पादन हो रहा है।

III. वार्ड में 01 सक्शन मशीन है, जिसे ठीक कराने हेतु सुझाव दिया गया।

IV. वार्ड में नवम्बर, 2017 एवं दिसम्बर, 2017 में एक्सपायर होने वाली इन्जेक्शन इमरजेन्सी ट्रे में पायी गयी। उक्त के सम्बन्ध में ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स एवं फार्मासिस्ट को एक्सपायर इन्जेक्शन के प्रयोग से होने वाले खतरों के सम्बन्ध में जानकारी दी साथ ही इसके बारे में मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को भी अवगत करा दिया गया।

V. तैनात स्टाफ को Sharp management के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही District Quality Consultant एवं रोगी सहायता केन्द्र प्रबन्धक को वार्ड में Sharp management से सम्बन्धित सामग्री उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

VI. SNCU एवं PICU में फार्मासिस्ट एवं स्टाफ नर्स द्वारा सफाई के विषय में पूँछे जाने पर बताया गया कि वार्ड में कोई भी सफाईकर्मी नियुक्त नहीं है इसलिए ससमय वार्ड में सफाई नहीं की जा पा रही है।

2. आई0डी0एस0पी0 कार्यक्रम के अर्न्तगत S फार्म पर किसी भी रिर्पोटिंग यूनिट के द्वारा रिर्पोटिंग नही की जा रही है। P फार्म पर भी बडनी, वर्डपुर, उसका बाजार सी0एच0सी0 के द्वारा रिर्पोटिंग नही की जा रही है।
3. जनवरी 2017 से दिसम्बर 2017 तक स्वाइन फ्लू के 09 एवं डेंगू के 08 केस रिर्पोट किये गये परन्तु आई0डी0एस0पी0 ऐपिडेमियोंलाजिस्ट के द्वारा इनको सोर्स पोर्लट पर लाईन लिस्ट अपलोड नही किया गया है। जबकि शतप्रतिशत केसों की लाईन लिस्ट सोर्स पोर्टल पर अपलोड किया जाना चाहिऐ।
4. जनपद में आई0डी0एस0पी0 की कुल 73 Gov एवं 12 प्राईवेट रिर्पोटिंग यूनिट हैं।
5. आई0डी0एस0पी0 कार्यक्रम में वाहन हायर किये जाने हेतु धनराशि उपलब्ध है परन्तु वाहन हायर नही किया गया है।
6. मलेरिया कार्यकम में 22584 स्लाईड बनायी गयी जिसमें 170 मलेरिया के मरीजा पाये गये जिसमें एक भी स्लाईल आशा के द्वारा नही बनायी गयी है।
7. कुष्ठ कार्यक्रम में 126 मरीजों के सापेक्ष कुल 27 एम0बी0 एवं 11 पी0बी0 केसों का कुल 20600/– भुगतान किया जाना है।
8. आर0एन0टी0सी0पी0 में केवल वित्तीय वर्ष 2016 के प्रथम क्वार्टर का भुगतान हुआ जबकि 6 माह में उपचार पूर्ण होने के उपरान्त आशा का भुगतान किया जाना चाहिए इस तरह 2017 के प्रथम क्वार्टर तक की सही हो गये मरीजों का भुगतान हो जाना चाहिऐ था
9. सभी एच0आई0वी0 मरीजों का टी0बी0 परीक्षण किया गया है। परन्तु 1301 टी0बी0 मरीजों के परीक्षणों के सापेक्ष केवल 1245 मरीजो का एच0आई0वी0 परीक्षण किया गया है जबकि शतप्रतिशत टी0बी मरीजों को एच0आई0वी0 परीक्षण किया जाना है।
10. शतप्रतिशत टी0बी0 केसों का निःक्षय पोर्टल पर डाटा इन्ट्री किया जाना है।
11. CBNAAT मशीन के द्वारा प्रतिमाह लगभग 110 मरीजों का परीक्षण किया जा रहा है। इस वित्तीय वर्ष में अभी तक 1211 मरीजों का परीक्षरण किया गया है जिसमें 200 एम0टी0बी0 मरीज पाये गये।

जनपद में भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों के सम्बन्ध में सम्बन्धित उत्तरदायी अधिकारी कर्मचारी को कमियों दूर करने एवं जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान किये जाने हेतु आवश्यक सुझाव भी दियें है एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में समस्त एम0ओ0आई0 डी0पी0एम0 अन्य चिकित्सा अधिकारियों के साथ मीटिंग कर सभी कमियों एवं सुझावों से अवगत करा दिया गया है।

28.12.17

श्री संजय कुमार
कार्यक्रम समन्वयक,
राष्ट्रीय कार्यक्रम।

श्री परमेश वर्मा
प्रशिक्षण एवं अनुश्रवण अधिकारी,
सामुदायिक प्रक्रिया

28-12-17

श्री अरविंद त्रिपाठी
कन्सलटेन्ट,
आई0ई0सी0